Chapter- 02

ईदगाह (प्रेमचंद)

GLORIOUS STUDY POINT
By
Er. Waquar Sir
Telpur, W. Champaran

पाठ से

1. ईद के दिन अमीना क्यों उदास थी?

उत्तर→ अमीना के घर खाने के लिए कुछ नही था हामिद के पास पैसा भी नही था ताकि जाकर ईदगाह के मेले में कुछ समान खरीद सके। हामिद के पास मात्र तीन पैसे थे। जो एक बच्चे के लिए बिल्कुल नही के समान था।

2. हामिद मिठाई या खिलौने के बदले चिमटे का चयन करता है। क्यों?

उत्तर→ हामिद के दादी के हाथ रोटी बनाते समय हमेशा जल जाता था। हामिद तो बच्चा था लेकिन उसकी बुद्धी व्यस्क की तरह थी। यही कारण था कि हामिद मिठाइयां और खिलौने के बदले चिमटा पसन्द करता है। ताकि उसकी दादी का हाथ जलने से बच जाऐ।

3. मेला जाने से पहले हामिद दादी से क्या कहता है?

उत्तर→ हामिद मेला जाने से पहले हामिद अपनी दादी से कहता है की तुम डरना नही अम्मा मैं सबसे पहले आऊगाँ।

4. मेले में चिमटा खरीदने से पहले हामिद के मन में कौन-कौन से विचार आये? वर्णन कीजिए

उत्तर→ मेले में चिमटा खरीदने से पहले हामिद के मन में यह विचार आया की मेरे पास मात्र तीन पैसे है। कैसे मैं इतनी मंहगी खिलौने को खरीद सकता हुं कही यह हाथ से छुट गया तो चूर-चूर हो जाएगा। पानी पड़ा तो सारा रंग घुल जाएगा। ऐसे खिलौने को लेकर वह क्या करेगा।

5. हामिद ने चिमटे को किन-किन रूपों में उपयोग करने की बात कही है?

उत्तर→ हामिद ने चिमटे को निम्न-निम्न रूपो में उपयोग करने की बात कही है यदी कंधा पर रखी जाए तो बंदुक हो जाएगी। हाथ में लिया तो फकीरों का चिमटा हो जाएगा चाहुं तो मंजीरो काम ले सकता हुं। एक चिमटा जमा दुं तो तुम सब के सारे खिलौने के प्राण निकल जाए। तुम्हारा खिलौना मेरे चिमटा का बाल भी बाका नही कर सकता है मेरा बहादुर शेर है चिमटा।

6. ईदगाह कहानी आपको कैसी लगती है? इसकी मुख्य विशेषताएँ बताइए।

उत्तर→ ईदगाह कहानी हमको सबसे अच्छी लगती है क्योंकि प्रेमचंद द्वारा रचित यह कहानी बाल मनोविज्ञान पर आधारित है। यह कहानी मार्मिक ढंग से वंचित बचपन के परिस्थितियों पर टिप्पणी करती है। अभावग्रस्त जीवन बाल मन को वयस्क की तरह सोचने के लिए मजबूर करता है। हामिद खिलौने की जगह अपनी दादी के लिए चिमटा खरीद कर लाता है और दादी अमीना के लिए यह दृश्य गहरी संवेदना की अभिव्यक्ति का कारण बनता है। दादी को लगता है काश! इस बच्चे को भी वह सब कुछ मिलता, जो पड़ोस के बच्चे को मिलता है।

7. चिमटा देखकर अमीना के मन में कैसा भाव जगा?

उत्तर→ चिमटा देखकर अमीना के मन में यह भाव जगा कि कितना त्यागी तथा विवेकशील लड़का है कि उसे मेले में भी अपनी दादी की परेशानियां की याद दिखाई दे रही थी। उसके इस व्यवहार से अमीना का मन गद-गद हो गया।

(क) नमाज खत्म होने के बाद लोग क्या कर रहे थे?

उत्तर→ नमाज खत्म होने के बाद लोग आपस में गले मिल रहे थे।

(ख) दुकानों में किस-किस तरह के खिलौने थे?

उत्तर→ दुकानों में सिपाही, गुजरीया, राजा और वकील, भिश्ती, घोड़ा और साधु आदि के खिलौने थे।

(ग) वे खिलौने किस चीज के बने थे?

उत्तर→ वे खिलौने मिट्टी, शीशा आदि के बने थे।

(घ) महमूद मोहसिन और नूरे ने कौन-कौन से खिलौने खरीदे?

उत्तर→ महमूद ने सिपाही, मोहसिन ने भिश्ती, नूरे ने वकील वाले खिलौने खरीदे।

GLORIOUS STUDY POINT * By Er. Waquar Sir * Telpur, W. Champaran

(ङ.) परिच्छेद में सिपाही, मिश्ती और वकील के हुलिये का वर्णन किया गया है। इसी प्रकार आप राजा और साधु के हुलिये का वर्णन कीजिए।

उत्तर→ परिच्छेद में सिपाही, मिश्ती और वकील के हुलिये का वर्णन किया गया है। इसी प्रकार राजा का वर्णन कर सकते है। राजा के सर पर मुकुट होता है तथा उसका पोशाक राजशी होता है। साधु की बड़ी-बड़ी जटाएं होती है तथा लम्बी-लम्बी

(च) वर्दी और पोथा के समानार्थी लिखिए।

उत्तर→ वर्दी ⇒ पोषाक
पोथा ⇒ बड़े-बड़े किताब, मोटे-मोटे किताब

GLORIOUS STUDY POINT
By Nagina Sir
TELPUR

पाठ से आगे

1. महमूद, मोहसिन, नूरे और हामिद में किसका चरित्र अच्छा लगा? कारण बताइए।

उत्तर→ महमूद, मोहसिन और नूरे तथा हामिद में हमें हामिद का चरित्र हमे सबसे अच्छा लगा। क्योंकि वह देखने में छोटा बच्चा था लेकिन उसकी बुद्धी किसी प्रौढ व्यक्ति से भी अच्छा था। क्योंकि सभी बच्चे मेले में मिठाईया तथा खिलौना खरीद रहे थे। लेकिन हामिद अपनी दादी के परिस्थितियों के अनुसार एक चिमटा खरीदा ताकि उसकी दादी की हाथ जलने से बच जाएँ।

2. क्या हामिद बच्चों की सामान्य छवि से अलग हटकर एक नयी छवि ~~प्रस्तुत~~ प्रस्तुत करता है? कैसे?

उत्तर→ हाँ, हामिद बच्चों की सामान्य छवि से अलग हटकर था। वह एक नयी छवि प्रस्तुत करता है। क्योंकि सभी बच्चों में लड़कपन की भावना थी। लेकिन हामिद में एक व्यस्क की तरह सोचने और समझने की शक्ति थी।

3. "चुनौती बच्चे को परिपक्व बना देती है।" इस उक्ति की व्याख्या कीजिए।

उत्तर→ चुनौती बच्चे को परिपक्व बना देती है। इस पाठ के अवलोकन से यह पता चलता है कि हामिद की जिन्दगी बिल्कुल दरिद्रता से घिरी हुई थी। वह एक-एक पैसे के लिए तरस रहा था। इसीलिए इसके जीवन में एक पैसे का बहुत बड़ा महत्व था। यही कारण था कि

उसने नश्वर वस्तुओ को न खरीद कर परिस्थीतियों के अनुसार एक चिमटा खरीदा जो एक व्यस्क की तरह सोचने और समझने पर मजबूर करता है। इस प्रकार हम देखते है कि चुनौती बच्चों को परिपक्व बना देती है।

4. 'त्योहार हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं।' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर→ त्योहार हमारे जीवन के अभिन्न अंग है। इसके द्वारा आपसी सद्भावना प्रेम और भाई चारो की भावना बढती है। साथ ही साथ त्योहार को देखते हुए हमारे घरो एवं आस-पास की गंदगियाँ साफ हो जाती है। जिसे हम अनेक प्रकार की परिस्थितियों से छुटकारा पा लेते है। त्योहार, बिखरे हुए सम्बन्धो को आपस में जोड देता है।

Chapter - 3

कर्मवीर (अयोध्यासिंह उपाध्याय)

GLORIOUS STUDY POINT * By Er. Waquar Sir * TELPUR

पाठ से

1. कर्मवीर की पहचान क्या है?

उत्तर→ कर्मवीर की सही पहचान यह है कि वे काम को आरम्भ करके बीच में नही छोड़ते है। वे कठीन परिस्थितियों से लड़ते हुए अपना मार्ग स्वंग ढूंढ लेते है। सच्चे कर्मवीर दुसरो के सामने हाथ नही फैलाते बल्की अपना काम स्वंय करते है।

2. अपने देश की उन्नति के लिए आप क्या-क्या कीजिएगा?

उत्तर→ हम अपने देश के उन्नति के लिए हम अपना सब कुछ निछावर कर देगे। सच्चे कर्मवीर की यह पहचान है कि वह अपने लिए कुछ नही करते बल्की देश के उन्नति के लिए हमेशा गतिशील रहते है वे अपने बल बुद्धी तथा कर्मठता के बल पर देश को उन्नति के परम शिखर पर पहुँचाते है।

3. आप अपने को कर्मवीर कैसे साबित कर सकते है?

GLORIOUS STUDY POINT * By Er. Waquar Sir * Telpur, W. Champaran

उत्तर→ हम अपने को सच्चे कर्मवीर साबित करने के लिए बुद्धी विवेक तथा आत्मबल का प्रयोग करेगे। कोई भी व्यक्ति कठिन परिस्थतीयो से लड़ते हुए आगे बढता है। वह सच्चा कर्मवीर कहलाता है।

पाठ से आगे

1. परिश्रमी के द्वारा मनोवांछित लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। कैसे ?

उत्तर→ कोई भी व्यक्ति परिश्रम के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। मान लीजिए की परिश्रम करने वाले विद्यार्थी पढ़ लिखकर अपने समाज, परिवार, राज्य तथा देश की उन्नति करते है पढ़ा लिखा व्यक्ति ही अपने बुद्धी और विवेक से मनोवांछित लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है।

2. "कल करै सो आज कर, आज करै सो अब। पल में परलय होइगा, बहुरि करेगा कब।" इस पंक्ति का अर्थ लिखिए।

उत्तर→ कल करै सो आज कर आज करै सो अब। पल में परलय होइगा बहुरि करेगा कब इससे संबंधित पंक्तिया निम्न है।

आज करना है जिसे करते उसे जल्दी हो आज ही।
सोचते-कहते है जो कुछ कर दिखाते है वही।

GLORIOUS STUDY POINT
By Waqar Sir
TELPUR

3. आप किसे अपना आदर्श मानते है और क्यो ?

उत्तर→ हम सच्चे कर्मवीर को अपना आदर्श मानते है क्योंकि सच्चे कर्मवीर हमेशा अपने मार्ग पर गतिशील रहते है सच्चे कर्मवीर परिस्थितियो से घबड़ाते नही बल्की वे परिस्थितियो से लड़ते हुए अपने मार्ग पर आगे बढ़ते जाते है। वैसे कर्मवीर अपने देश तथा संसार का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

Chapter- 4

बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी)

पाठ से

1. बालगोबिन भगत गृहस्थ थे। फिर भी उन्हें साधु क्यों कहा जाता था ?

उत्तर→ बालगोबिन भगत गृहस्थ थे फिर भी उन्हें साधु इसलिए कहा जाता था कि वे ईश्वर के भजन में हमेशा लीन रहते थे। वे साध के सभी परिभाषाओ में खरे उतरने वाले व्यक्ति थे। वे कभी झुठ नही बोलते थे और सही बातो को किसी के सामने रख देते थे

2. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त की ?

उत्तर→ भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए कहा है। कि आत्मा - परमात्मा के पास चली गई विरहणी आपके प्रभी सेवा जा मिली भला इसे बढ़के आनन्द की कौन सी बात हो सकती है।

3. पुत्रवधू द्वारा पुत्र की मुखाग्नि दिलपाना - भगत के व्यक्तित्व की किस विशेषता को दर्शाता है?

उत्तर→ पुत्रवधू द्वारा पुत्र की मुखाग्नि दिलवाना - भगत के व्यक्तित्व की यह विशेषता बतलाता है कि उसके बेटे की कोई पुत्र नही था। इसीलिए पत्नी का ही अधीकार बनता है कि वह अपने पति की मुखाग्नि दे।

4. (क) बालगोविन भगत ने पोद्दू से बेटे को आग क्यों दिलाई ?

उत्तर→ पति को मुखाग्नि देने का अधीकार पुत्र को ही होता है लेकिन अगर पुत्र नही है तो यह अधीकार पत्नी को मिलना चाहिए।

(ख) पोद्दू बालगोविन भगत को छोड़ कर जाना क्यों नहीं चाहती थी ?

उत्तर→ पोद्दू ~~बालगोविन~~ को चले जाने पर बालगोविन का सेवा करने वाला कोई नही था यही कारण था कि पोद्दू बालगोविन को छोड़कर नही जाना चाहती थी।

(ग) पोद्दू के रोने पर भी भगत का निर्णय क्यों नही बदला ?

उत्तर→ पोद्दू के रोने पर भी भगत का निर्णय इसीलिए नही बदला की भगत जो कह देते थे, वह अटल था।

(घ) बालगोविन भगत ने आखिरी दलील क्या दी ?

उत्तर→ बालगोविन भगत ने आखिरी दलील यह था कि तु जा रही नही तो मैं ही इस घर को छोड़कर चला जाऊगाँ।

(ङ) "चुल्लु भर पानी" का अर्थ बताइए।

उत्तर→ चुल्लु भर पानी का अर्थ होता है बिलकुल कम अर्थात नहीं के बराबर।

पाठ से आगे

1. "धर्म का मर्म आचरण में है, अनुष्ठान में नहीं" स्पष्ट कीजिए।

उत्तर→ धर्म का मर्म आचरण में है अनुष्ठान में नहीं इसे यह स्पष्ट होता है कि मनुष्य का आचरण सर्वपरी है अच्छे चरीत्र वाले व्यक्ति को किसी जप तप या अनुष्ठान की कोई जरूरत नहीं है।

2. बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे। इसके क्या-क्या कारण हो सकते हैं?

उत्तर→ बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे इसका मुख्य कारण यह हो सकता है की कबीर भी दोगियो में विश्वास नहीं रखते थे क्योंकि बालगोबिन भी सीधा-साधा जीवन व्यतीत करते थे।

3. बालगोबिन भगत ने अपने पुत्र की मृत्यु पर भी शोक प्रकट नहीं किया। उनके इस व्यवहार पर अपनी तर्कपूर्ण प्रतिक्रिया व्यक्त कीजिए।

उत्तर→ बालगोबिन का यह मानना था कि आत्मा प्रमात्मा से जा मिली तो इसे बढ़कर खुशी की क्या बात हो सकती है क्योंकि यह दुनिया नश्वर है और सभी को एक ना एक दिन इस संसार को छोड़कर जाना है।

GLORIOUS STUDY POINT
By Waqar Sir
TELPUR

④ अपने परिवेश के आधार पर वर्षा ऋतु का वर्णन कीजिए।

उत्तर→ भारत में छः प्रकार के ऋतुएं है जिसमें वर्षा ऋतु एक महत्वपूर्ण ऋतु है। सही से देखा जाए तो भारत के 80% लोगो का जीवन खेती पर ही निर्भर करता है। अगर हमारे देश में वर्षा समय पर न हो तो हमे सुखा मरने की नौबत आजाएगी। इस प्रकार हम देखते है की वर्षा ऋतु हमारे लिए जीवन दायनी ऋतु है लेकिन इस ऋतु में सुख के साथ-साथ मनुष्यों को दुख भी झेलना पड़ता है अधिक वर्षा होने पर चारो तरफ कीचड़ फैल जाता है। कच्चे मकान गिर जाते है। नदियों में बाढ़ आ जाती है जिसे हमारे माल-जाल खेती बारी की नुकशान होती है। इस

प्रकार हम देखते है कि यह ऋतु एक तरफ जीवन देती है तो दुसरी तरफ जीवन भी लेती है।

⑤ "अब सारा संसार निस्तब्धता में सोया है, बालगोविन मगत का संगीत जाग रहा है, जगा रहा है।" व्याख्या कीजिए।

उत्तर→ प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक ~~बालक~~ बालगोविन से ली गई है। इस पाठ के माध्यम से लेखक रामवृक्ष बेनीपुरी का कहना है कि बालगोविन मगत जब सभी लोग सो जाते थे उस समय भी वे अपने संगीत के माध्यम से ईश्वर का भजन किया करते थे।

⑥ रूढ़िवादिता से हमें किस प्रकार निपटना चाहिए? किसी एक रूढ़िवादी परम्परा का उल्लेख करते हुए बताइए कि आप उससे किस प्रकार निपटेंगे?

उत्तर→ रूढ़िवादिता का अर्थ उच नीच की भावना प्राय: ऐसा देखा जाता है कि हर गावों एवं शहरों में उच नीच की भावना दिखाई देती है। इसे निपटने के लिए हमें भाई चारा लाना होगा। उच नीच की भावना को समाप्त करना होगा। सभी मनुष्य एक ही ईश्वर के संतान है। इसलिए एक मनुष्य को दुसरे मनुष्य से उच नीच की भावना रखना शोभा नहीं देता है।

GLORIOUS STUDY POINT
By Bhaskar Sir
BELPUR

Chapter-5

हुंडरू का जलप्रपात (कामता प्रसाद सिंह 'काम')

पाठ से
1. "जैसे हुंडरू का झरना वैसे उसका मार्ग"। इस कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर→ जैसे हुंडरू का झरना वैसे उसका मार्ग इस कथन के द्वारा लेखक हुंडरू जलप्रपात के विषय में यह बतलाया है कि वह उछलती कूदती धुम मचाते हुए नीचे की तरफ गिरता है। उसका आवाज वैसा मालूम होता है की जैसे पाच दस हाथिया एक साथ चिघाड़ रहे है। वैसा मालूम होता है कि कई दिनो के आवाज था कई हवाई जहाजों की चक्कर काटने की आवाज एक साथ सुनाई दे रहा हो।

2. हुंडरू का झरना कैसे बना है?

उत्तर→ जबी यहाँ पहाड़ को पार करने की चेस्टा से पहाड़ पर चढ़ती है। वहाँ पानी की कई धराएं हो जाती है। जब उसकी सभी धराएं एक होकर पहाड़ से होकर नीचे गिरती है तो एक विचित्र दृश्य दिखाई देता है यह झरना पहाड़ से 243 फुट नीचे गिरकर बनता है।

3. "स्वयं झरने से भी ज्यादा खूबसूरत मालूम होता है, झरने से आगे का दृश्य" उस दृश्य की सुंदरता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर→ स्वयं झरने से भी ज्यादा खूबसूरत मालूम होता है झरने से आगे का दृश्य का वर्णन निम्न है उजला पानी ऐसा मालूम होता है जैसे की पानी के चक्कर और मोड़ में पिसकर पत्थर का सफेद चूर्ण गिर रहा है। झरने तक पहुचने के पहले घनघोर जंगल पड़ता है यह जंगल ऐसा है कि बाघो को भी डर लगता है। उस जंगल में चहकती हुई चिड़ियां लोगो के मन को मोह लेती है। हवा एवं दौड़ती है जैसे सलाह लेकर दौड़ रही हो। मक्कई के पौधे ऐसे लहरा रहे थे जैसे यहा वालो कि किस्मत लहरा रही हो।

4. प्रस्तुत पाठ के आधार पर समझाइए कि किसी यात्रा-वृतांत को रोचक बनाने के लिए किन-किन बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए?

उत्तर→ प्रस्तुत पाठ के आधार पर किसी भी ~~मात्र~~ यात्रा-वृतांत को रोचक बनाने के लिए निम्न बातो को ध्यान देना जरूरी है। जैसे रास्ते में पड़े हुए दृश्यों का अवलोकन करना, उसे घटनाओं को अपने अन्दर लाना उसकी सुन्दरता का वर्णन करना ये सभी बातें आवश्यक है।

5. यहाँ पर एक दृश्य का वर्णन दो तरह से किया गया है;

(क) हुंडरू का पानी कहीं साँप की तरह चक्कर काटता है, कहीं हरिण की तरह छलाँग भरता है और कहीं बाघ की तरह गरजता हुआ नीचे गिरता है।

उत्तर→ हुंडरू का पानी चक्कर काटकर छलांग भरता हुआ नीचे की तरफ गिरता है।

GLORIOUS STUDY POINT By Nagwar Sir TELPUR

यह वाक्य हमें सबसे अच्छा लगता है क्योंकि इस वाक्य द्वारा लेखक ने छोटे ही वाक्यों में पुरे पाठ का वर्णन कर दिया है।

1. पाठ से आगे
आपने किसी गाँव, शहर की यात्राएँ की होगी उसमें से किसी एक यात्रा का वर्णन कीजिए ?

उत्तर→ हम ने पटना शहर की यात्रा की है उस यात्रा के दौरान हमने गोलघर, संजय जैविक उद्यान एंव अजायब घर आदि को देखकर हमारा मन से मर गया सफेद कबूतर वैसे दिखाई दे रहे थे मानों में बैठे हुए हंसो का कतार हो।

2. आपने राज्य के किसी एक जलप्रपात का वर्णन कीजिए ?

उत्तर→ हमारे राज्य में कोई बड़ा जलप्रपात तो नही है फिर भी हिमालय से गिरते हुए पानी पहाड़ों से टकराकर जलप्रपात बना लेती है। पहाड़ो से गिरते हुए वह पानी छलाँग फरता हुआ हुंकार करता हुआ जमीन पर जब गिरता है। तो उसका दृश्य अन्यास ही आदमी के मन को मोह लेता है।

3. आपके द्वारा की गई यात्रा के दौरान आपको किसी न किसी प्राकृतिक दृश्य ने अपश्य आकर्षित किया होगा। उस दृश्य का वर्णन कीजिए ?

उत्तर→ हमारे द्वारा की गई यात्रो के दौरान हम वन जैसी प्राकृतिक दृश्य ने अवश्य आकर्षीत किया वनो में हरे भरे पेड हमारे मन को मोह लेते है।

Chapter- 6

बिहारी के दोहे (बिहारी)

GLORIOUS STUDY POINT By Nagar Sir TELPUR

1. पाठ से
(क) वाह्याडंबर व्यर्थ है।

उत्तर→ जपमाला छापें तिलक सरै न एकौ कामु।
मन - काँचै नाचै वृथा साँचै राँचै रामु॥

(ख) नम्रता का पालन करने से ही मनुष्य श्रेष्ठ बनता है।

उत्तर-> नर की अरु नल नीर की गति एकै करी जोय।
जेतो नीचो ह्वै चलै तेतो ऊंचो होय॥

(ग) बिना गुण के कोई बड़ा नहीं होता।

उत्तर-> बड़े न हूजै गुनन बिनु, बिरद बड़ाई पाय।
कहत धतूरे सो कनक, गहनो गढ़यो न जाय॥

(घ) सुख- दुख समान रूप से स्वीकारना चाहिए।

उत्तर-> दीरघ साँस न लेहु दुख, सुख साईं हि न भूल।
दई दई क्यों करतू है, दई दई सु कबूलि॥

2. दुर्जन के साथ रहने से अच्छी बुद्धि नहीं मिल सकती। इसकी उपमा में कवि ने क्या कहा है?

उत्तर-> संगति सुमति न पावही परे कुमति के धन्ध।
राखो मेलि कपूर में हींग न होत सुगंध॥

4. गोपियों ने कृष्ण की मुरली क्यों छुपाई?

उत्तर-> जिस प्रकार श्री कृष्ण की ~~मुरली~~ गोपियों को तबाह किया करते थे ठीक उसी प्रकार, गोपी भी श्री कृष्ण को परेशान किया करते थे। दोनो को एक साथ रहने से दोस्ती बद गई थी। प्राय: ऐसा देखा जाता है कि एक दोस्त दुसरे दोस्त को परेशान करते रहते है। यही कारण था कि गोपीयो ने श्री कृष्ण की मुरली छुप कर उन्हें परेशान करना चाहते थे।

पाठ से आगे

1. गुण नाम से ज्यादा बड़ा होता है। कैसे?

उत्तर-> गुण नाम से ज्यादा बड़ा होता है। प्राय: ऐसा देखा जाता है कि मरने के बाद मनुष्य का नाम खत्म हो जाता है लेकिन उसके द्वारा किये गये गुण अवगुण पृथ्वी पर अवश्य रह जाता है। उसके मरने के बाद उसके गुणो की चर्चा मनुष्य करते रहते है।

2. 'कनक' शब्द का प्रयोग किन-किन अर्थों में किया गया है।

उत्तर→ कनक शब्द का प्रयोग सोना और धतूरे के रूप में किया गया है।

3. हींग को कर्पूर के साथ रखने से सुगंधित क्यों नहीं होता है?

उत्तर→ हींग को कर्पूर के साथ रखने से कपूर के गंध में हींग का गंध लुप्त हो जाता है। यही कारण है कि हींग को कपूर के साथ रखने से सुगन्धित नहीं होता है।

Chapter- 7

ठेस (फणीश्वर नाथ 'रेणु')

GLORIOUS STUDY POINT
By Waqar Sir
TELPUR

पाठ से

1. गाँव के किसान सिरचन को क्या चोर तथा चटोर समझते थे?

उत्तर→ गांव के किसान सिरचन को काम चोर तथा चटोर समझते थे क्योंकि सभी मजदूर एक तिहाई काम कर लेते थे तो सिरचन हाथ में खुरपी डुलाता हुआ पगडंडी पर तौल तौलकर पाव रखता हुआ दिखाई देता था थे सिरचन को खाने के लिए तली बघारी तरकारी और दही की कढ़ी, मलाई वाला दुध इन सब का प्रबन्धन होने के बाद ही वह काम अच्छी तरह से करता था।

2. इस कहानी में आये हुए विभिन्न पात्रों के नाम लिखिए?

उत्तर→ इस कहानी में आये हुए विभिन्न पात्र निम्न है। सिरचन, मझली मामी, मानु, बड़ी मामी आदि।

3. सिरचन को पान का बीड़ा किसने दिया था?

उत्तर→ सिरचन को पान का बीड़ा मानु दि थी।

4. आपके विचार से सिरचन का महत्व कम क्यों हो गया?

उत्तर→ आधुनिक युग में पुराने दुर्लभ वस्तुओं की मांग घटती जा रही है। इसीलिए

सिरचन जैसे कारीगर का महत्व कम हो गया।

5. सिरचन चिक और शीतलपाटी स्टेशन पर ले जाकर मानू को देता है। इससे उसकी किस विशेषता का पता चलता है?

उत्तर→ सिरचन चिक और शीतलपाटी स्टेशन पर ले जाकर मानु को देता है इससे सिरचन को मानू के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त होती है क्योंकि सिरचन मानू को क्रोधीत होकर काम छोड़कर घर लौट आया था लेकिन उसकी हृदय भीतर ही भीतर झकझोरती रहती थी।

8. कहानी के किन-किन प्रसंगो से ऐसा प्रतीत होता है कि सिरचन अपने काम को ज्यादा तरजीह देता था उल्लेख कीजिए।

उत्तर→ सिरचन द्वारा रंगीन शीतलपाटी बास तीलियों को झीलमीलाती चीक सतरंगे डोरे के मोटे सुखे पत्ता की छतरी टोपी आदि बड़े ही अच्छे ढग से बनाता था। इन सभी प्रसंगो को देखते देखने से यह पता चलता है कि सिरचन अपने काम से ज्यादातर नीह देता है।

9. इस कहानी में कौन सा पात्र आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों?

उत्तर→ इस कहानी में सिरचन जैसा पात्र हमे सबसे अच्छा लगा क्योंकि वह काम बहुत अच्छी तरह से करता था। उसकी बनाई हुई वस्तुऐ प्राचीन समय से एक उदाहरण थी वह जो भी चीज बनाता था। उसमें उसकी कारीगरी कुट कुट कर भरी थी।

पाठ से आगे

आपकी दृष्टि में सिरचन द्वारा चिक एंव शीतलपाटी स्टेशन पर मानू को देना कहाँ तक उचित था?

उत्तर→ हमारी दृष्टि में सिरचन द्वारा चिक एंव शीतलपाटी स्टेशन पर मानू को देना उचित था ~~कि~~ क्योंकि सिरचन ने उसके घर से काम को अधुरा छोड़कर क्रोधीत होकर चला गया था एक इन्सानियत के

GLORIOUS STUDY POINT
Vaghar Sir
JALPUR

Chapter- 8

बच्चे की दुआ (मो० इकबाल)

व्याख्या कीजिए :-

(क) जिन्दगी ही मेरी परवाने की सूरत या-रब। इल्म की शम्अ से हो मुझको मुहब्बत या रब

उत्तर→ प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक बच्चो की दुआ कविता पाठ से ली गई है इस पंक्ति के माध्यम से कवि मो० इकबाल कह रहे है कि बच्चे ईश्वर से यह प्रार्थना करते है कि हे ईश्वर मेरी जिन्दगी दुसरो की भलाई के लिए हो और सारी जिन्दगी शिक्षा ग्रहण करने में व्यक्त हो।

(ख) हो मेरे दम से यू ही मेरे वतन की जीनत। जिस तरह फूल से होती है चमन की जीनत

उत्तर→ प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक बच्चो की दुआ कविता पाठ से ली गई है इस पंक्ति के माध्यम से कवि मो० इकबाल का कहना है कि बच्चे पढ़ लिखकर विद्वान होना चाहते है अपने देश तथा संसार को प्रगति के मार्ग पर लाना चाहते है। जिस प्रकार विद्वानो से देश की शोभा बढ़ जाती है ठीक उसी प्रकार फुलो से चमन (फुलवारी) की शोभा बढ़ जाती है।

(ग) मेरे अल्लाह बुराई से बचाना मुझको। नेक जो राह हो, उस रह पे चलाना मुझको

उत्तर→ प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक बच्चे की दुआ कविता पाठ से ली गई है। इस पंक्ति के माध्यम से कवि मो० इकबाल का कहना है कि प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से बच्चे ईश्वर से यह दुआ मागते है कि मुझे हर प्रकार की बुराइयो से अलग रखना और जो नेक राह हो अर्थात अच्छे राहो पर चलने के लिए प्रेरित करना।

Chapter- 9

अशोक का शस्त्र-त्याग (वंशीधर श्रीवास्तव)

GLORIOUS STUDY POINT TELPUR

पाठ से

1. पद्मा के ललकारने पर भी अशोक ने युद्ध करना स्वीकार क्यों नहीं किया ?

उत्तर→ पद्मा एक वीरंगना औरत थी। औरतो के विरूध युद्ध करना अशोक के शास्त्र के विरूध था यही कारण था कि पद्मा के ललकारने पर भी अशोक ने युद्ध

करना स्वीकार नहीं किया।

2. पद्मा को अशोक से बदला लेने का अच्छा अवसर था, तब भी उसने अशोक को जीवित क्यों छोड़ दिया?

उत्तर→ शास्त्र के अनुसार हथियार डाले हुए व्यक्ति पर हथियार उठाना अच्छा नहीं है। यही कारण था कि पद्मा ने अशोक से ~~बदला~~ बदला लेने का अच्छा अवसर पर भी उसे जीवित छोड़ दिया।

3. बुद्ध शरणं गच्छामि, धर्म शरणं गच्छामि, संघ शरण गच्छामि इन्हें हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

उत्तर→ इसका हिन्दी अनुवाद निम्न है। बुद्ध की शरण में जाओ, धर्म की शरण में जाओ, सदभावना की शरण में जाओ।

पाठ से आगे

1. सैनिकों को उत्साहित करने के लिए राजकुमारी पद्मा और सम्राट अशोक द्वारा कही गयी बातों की तुलना कीजिए और बताइए कि अधिक प्रभावशाली कौन है?

उत्तर→ सैनिकों को उत्साहित करने के लिए राजकुमारी पद्मा द्वारा कही गई बात निम्नलिखित है। वहीनी तुम वीर कन्या, वीर भागिनी, और वीर पत्नी हो जिस सेना ने तुम्हारा पिता भाई और पति की हत्या की है वह तुम्हारे सामने खड़ी है तुम प्रण करो कि जननी जन्म भूमि को पराधीन होते हुए देखने के लिए पहले तुम सदा के लिए अपने आखे बन्द कर लो। सम्राट अशोक द्वारा कही गई बाते निम्न है आज चार साल से युद्ध हो रहा है फिर भी कलींग हम जीत नही पाए है। आओ आज हम अपनी मातृभूमि की शपथ लेकर प्रण करे कि या तो हम कलिंग के दुर्ग पर अधिकार कर लेंगे या सदा के लिए मृत्यु की गोद में सो जाएंगे। दोनो कि बातो की तुलना करने पर हमे यह पता लगता है कि पदमा एक औरत होते हुए भी अशोक जैसे सम्राट को ललकारा है। इससे पद्मा की ~~बातो~~ बाते अधिक प्रभाव डाली है।

2. इस एकांकी को कहानी के रूप में लिखिए।

Ans→ यह एकांकी वंशीधर श्रीवास्तव द्वारा रचित है। लेखक ने अशोक जैसे महान सम्राट

GLORIOUS STUDY POINT
by Waqar Sir
JELPUR

और पद्मा जैसी वीरंगना औरत पर प्रकाश डाला है। लेखक का कहना है कि सम्राट अशोक कलिंग को जीतना चाहता था लेकिन उसका तमन्ना अधुरी रह गई। पद्मा जैसी वीरंगना औरत अशोक को हथियार रखवा दिया। अशोक भविष्य में युद्ध न करने का सकल्प किया।

③ अगर आप अशोक व पद्मा की जगह होते तो क्या करते और क्यो ?

उत्तर→ अगर हम अशोक और पद्मा की जगह होते तो हम भी उन्ही लोगो की तरह एक दुसरे के साथ व्यवहार करते क्योकि प्राय: ऐसा देखा गया है कि के युद्ध में दोनो पक्ष पक्षो की धन तथा जन दोनो की हानी होती है।

④ कल्पना कर बताइए कि यदि अशोक और पद्मा का युद्ध हो गया होता क्या होता?

उत्तर→ मान लीजिए अशोक और पद्मा का युद्ध हो गया होता तो दोनो पक्षो की धन और जन की काफी हानी होती क्योकि युद्ध से मनुष्य को घृणा और अशान्ति मिलती है।

⑤ 'अस्त्र' और 'शस्त्र' के अंतर को लिखिए।

उत्तर→ अस्त्र का अर्थ होता है बीना हथियार के जबकि शस्त्र का अर्थ होता है हथियार के साथ यही दोनों में अन्तर है।

GLORIOUS STUDY POINT
Waquar Sir
TELPUR

GLorious Study Point
"Known for quality"
BY:- Waquar Sir (B.Tech, M.D.U)
New Batch for Class VIII th, IX th & X th
Starting from 22/02/2023
6203632245

6. 'युद्ध से हानि' विषय पर अपने मित्र को पत्र लिखिए।

उत्तर→ प्रिय मित्र,

नमस्ते

आपका पत्र कल मिला पढ़ कर बहुत खुशी हुई इस पत्र के माध्यम से आपने अपनी पढ़ाई-लिखाई की चर्चा विस्तार पूर्वक किया है। जो विद्यार्थी के अच्छे लक्षण महसूस होते है। मै इस पत्र में युद्ध से होने वाली हानियो पर प्रकाश डालना चाहता हुँ।

प्राय: ऐसा इतिहासो में पढ़ा गया है कि हमेशा एक योद्धा दुसरे योद्धा से अपनी विजयी की लालशा के लिए युद्ध किया करते थे। इस युद्ध के दौरान दोनो पक्षो की धन और जन की ~~क्षति~~ हानि होती थी। हमे यह की शीश करना चाहिए की कमी भी दोनो पक्षो के बीच युद्ध न हो। अगर युद्ध की समावना है। तो हमे अपने बुद्धी और विवेक का प्रयोग करके युद्ध को टालने की पूरी की शीश करनी चाहिए।

विशेष अगले पत्र में
परिवार मे बड़ो के प्रमाण एंव छोटे को खुम प्यार बोल देना-

अपका प्रिय मित्र-

STUDY POINT

Chapter-10

ईर्ष्या : तू न गई मेरे मन से (रामधारी सिंह 'दिनकर')

पाठ से

1. वकील साहब सुखी क्यों नहीं हैं?

उत्तर→ किसी व्यक्ति को सुखी रखने के लिए ईर्ष्या को त्यागना होगा। वकील साहब के पास सुख सुविधा की सारी वस्तु मौजूद थी फिर भी वे अपने, वाले बीमा ऐजेन्ट से ईर्ष्या रखते थे जिसके कारण वह सुखी नही रहते है। बंगाल

2. ईर्ष्या को अनोखा वरदान क्यों कहा गया है?

उत्तर→ जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है। वह उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता है। जो उनके पास मौजूद है बल्की उन वस्तु से दुख उठाता है जो दुसरे के पास है। वह अपनी तुलना दुसरो के साथ करता है। जिसके कारण इस तुलना में पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर ठेस मारते रहते है यही कारण है कि ईर्ष्या को अनोखा वरदान कहा गया है।

3. ईर्ष्या की बेटी किसे और क्यों कहा गया है?

उत्तर→ ईर्ष्या की बेटी निन्दा को कहा गया है क्योंकि ईर्ष्या करने वाले व्यक्ति बहुत बड़ी नीन्दनीय होते है। वे हमेशा दुसरो की नीन्दा करके अपने उंचे स्थान पर बैठना चाहते है।

4. ईर्ष्यालु से बचने का क्या उपाय है?

उत्तर→ ईर्ष्यालु से बचने के लिए मुख्य उपाय है। बाजार की मरीच्यों को छोड़कर एकान्त की ओर जाना जो कुछ भी अमर तथा महान है। उसकी रचना और निर्माण बजाए तथा संघर्ष से दूर रहकर किया जाता है जो लोग नए मुल्यों का निर्माण करने वाले है वे बजार में ~~रहते~~ नहीं बसते वे शोहरत के पास भी नहीं रहते है।

5. ईर्ष्या का लाभदायक पक्ष क्या हो सकता है?

उत्तर→ ईर्ष्या का लाभदायक पक्ष यह हो सकता है कि जिसके अधीन हर आदमी हर जाति और हर दल अपने को अपने प्रति दुवन्दी का समपक्ष बनाना चाहता है। किन्तु यह तभी संभव है जबकि ईर्ष्यालु व्यक्ति यह महसूस करता है कि कोई चीज है जो उसके भीतर नहीं है कोई वस्तु है जो दुसरे के पास है। किन्तु वह यह नहीं समझ पाता है। कि इस वस्तु को प्राप्त कैसे करना चाहिए।

पाठ से आगे

नीचे दिए गए कथनो का अर्थ समझाइए –

(1)

(क) जो लोग नए मूल्यो का निर्माण करने वाले है, वे बाजारों में नहीं बसते वे शोहरत के पास भी नहीं रहते।

उत्तर→ जो लोग समथ तथा बुद्धिमान है वे दुसरो की निन्दा नही करते है और न बुराइयो के पास भटकते है। ऐसे व्यक्ति का सदगुण का ह्रास कभी नही होता है और वे अपने अन्नति के मार्ग पर हमेशा बढ़ते रहते है।

(ख) आदमी में जो गुण महान समझे जाते है, उन्ही के चलते लोग उससे जलते भी है।

उत्तर→ आदमी में जो गुण महान समझे जाते है उन्ही के चलते लोग ईष्या या दुर्भावना रखते है। गुणवान व्यक्ति कभी किसी का नुकसान नही पहुँचाता बल्की उसके लिए तो सारा संसार अपने घर के समान है।

(ग) चिंता चिता समान है।

उत्तर→ प्राय: ऐसा देखा गया है कि चिंताशील व्यक्ति हमेशा मौन रहता है। वे हमेशा अपनी परिस्थितियों से लडने का कोशीश करता है। फलत: परिस्थीतियों से लड़ते हुए वे बीमार पड़ जाते है। यही कारण है कि चिंता चिता के समान है।

3. अपने मन से ईर्ष्या का भाव निकालने के लिए क्या करना चाहिए ?

उत्तर→ अपने मन से ईर्ष्या का भाव निकालने के लिए हमे दुसरो के प्रति सदभावना पूर्वक व्यवहार रखना होगा। सदभावना के व्यवहार रखने वाला व्यक्ति हमेशा ईर्ष्या से परे रहता है। अर्थात वह बजारो की मक्खियो की तरह नही रहता बल्की उससे दुर रहने की कोशिश करता है।

Chapter- II

कबीर के पद (कबीरदास)

2. इन पंक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए :-

(क) मै कहता निमोही रहियो, वु जाता है मोही रे।

उत्तर→ प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक कबीर के पद से ली गई है इस पंक्ति के माध्यम से कबीर दास का कहना है कि वे मनुष्यो को हमेशा संसारीक बन्धनो से

मनुष्य को दूर रहने की प्रेरणा देते है। लेकिन मनुष्य ईश्वर की शरण में जाने की अपेक्षा संसारीक बन्धनों में बहाता जा रहा है।

(ख) मोको कहाँ ढूंढ़े बंदे, मैं तो तेरे पास में।

उत्तर→ प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक कबीर के पद से ली गई है। इस पंक्ति के माध्यम से कबीर दास का कहना है कि ईश्वर सभी के हृदय में वास करते है लेकिन मनुष्य उससे परे रहकर ईश्वर की खोज में तीन स्थानों मंदिरो और मस्जिदों का चक्कर लगाता रहता है ये सभी ~~बातो~~ बाते उसके अज्ञानता के कारण है।

3. 'मोको' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

उत्तर→ मोको शब्द ईश्वर के लिए प्रयोग किया गया है।

पाठ से आगे

1. कबीर की रचनाएँ आज के समाज के लिए कितनी सार्थक/उपयोगी है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर→ कबीर की रचनाएँ आज के समाज के लिए बहुत सार्थक एंव उपयोगी है क्योंकि उन्होने अपने कविता के माध्यम से हर मनुष्य को ईश्वर तक पहुंचने का नया मार्ग दिखलाया। इस कविता के माध्यम से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि मनुष्यो को संसारीक बन्धनो को छोड़कर ईश्वर की शरण मे जाना चाहिए।

2. सगुण भक्तिधारा :- जिसमें ईश्वर के साकार रूप की अराधना की जाती है।
निर्गुण भक्तिधारा :- जिसमें ईश्वर के निराकार (बिना आकार के) स्वरूप की अराधना की जाती है।

इस आधार पर कबीर को आप किस श्रेणी में रखेंगे? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर→ इस आधार पर हम कबीर को निर्गुण भक्ति धारा की श्रेणी में रखेंगे। क्योंकि उन्होंने मन्दीर मस्जिद जाने की बजाए निर्गुण ईश्वर की भजन करने की बात कही है।

4. ऐसे पंक्तियों को खोज कर लिखिए, जिसमें कबीर ने धार्मिक आडम्बरों पर कुठाराघात किया है।

उत्तर→ ना मैं देवल ना मैं मस्जिद, न काबे कैलाश में
ना तो कौनो क्रिया कर्म में नाहिं जोग वैराग में

Chapter- 12

विक्रमशिला (मा० पु० वि० स०)

GLORIOUS STUDY POINT
By Thakur Sir
TELPUR

पाठ से
विक्रमशिला नामकरण के संदर्भ में प्रचलित जनश्रुति है?
1. क्या

उत्तर→ अपने अचार्यों के विक्रमपूर्ण आचरण उनकी अखण्डशील सम्पन्नता के कारण इसका नाम विक्रमशिला पड़ा। जनश्रुती के अनुसार विक्रमनामक यक्ष को दमित कर इस स्थान पर विहार बनाने के कारण इसका नाम विक्रमशिला पड़ा।

2. विक्रमशिला कहाँ अवस्थित है?

उत्तर→ आधुनिक भागलपुर जिला जो प्राचीन अंग महाजनपद नाम से लोकप्रिय है। कहलगाँव थाना पोस्ट पथरघट्टा के छोटे से गाँव में अंतीचक पाल वंश के संस्थापक प्रतापी राजा धर्मपाल के संरक्षण में हुआ।

3. यहाँ के पाठ्यक्रम में क्या-क्या शामिल था?

उत्तर→ यहां के पाठ्यक्रम में तन्त्रविधा एवं तर्कविधा शामील था। इसके अतिरिक्त दानशील धैर्यवीय ध्यान और प्रज्ञा आदी आदि शामील था।

पाठ से आगे
3. तंत्र विधा के बारे में आप क्या जानते हैं?

उत्तर→ तंत्र विधा एक ऐसी विद्या है। जिसके द्वारा बड़े-बड़े महाऋषी लोगों का उत्थान करते है। अर्थात इस विधया के द्वारा बड़े-बड़े विद्वान लोगो का कल्याण करते है।

Chapter- 13

दीदी की डायरी (संकलित)

पाठ से
1. संजू कैसी लड़की थी? उसे किस चीज का शौक था?

उत्तर→ संजू हसमुख लड़की थी। वह अपने वर्ग में हमेशा हंसती या खिलखिलाती रहती थी। वह अपने वर्ग में दूसरे बच्चों को चुटकुले सुनाती थी। जिसे सुनकर सभी बच्चे हंसते-हंसते लोट पोट हो जाते थे। उसे किताब पढ़ने का शौक था।

2. संजू की डायरी लिखने को प्रेरणा किससे मिली?

उत्तर→ संजू की डायरी लिखने की प्रेरणा बापु के सत्य के प्रयोग नामक किताब से मिली इसके साथ ही साथ उसकी बड़ी बहन से भी डायरी लिखने की प्रेरणा मिली।

③ 'सत्य के प्रयोग' पुस्तक के रचयिता कौन है?

उत्तर→ 'सत्य के प्रयोग' पुस्तक के रचयिता महात्मा गाँधी है।

GLORIOUS STUDY POINT By Waquar Sir JELPUR

Chapter-14

पीपल (गोपाल सिंह 'नेपाली')

पाठ से
1. पीपल के पेड हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी है?

उत्तर→ पीपल के पेड़ से हमें लकड़ी छाया मिलता है। इसके साथ ही साथ वह पक्षीयों का निवास स्थान है। पेड़ प्राकृतिक सौन्द है जो हमे प्राकृति द्वारा विरासत में मिली है।

2. कैसा वातावरण मिलने पर बुलबुल पंछी गाने लगती है?

उत्तर→ जब पावस की फुहार पड़ती है तथा मन्द-मन्द हवाऐ बहने लगती है। तब बुलबुल वातावरण की सुन्दरता को देखकर गाने लगती है।

③ वन्य प्रान्त के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उत्तर→ वन्य प्रान्त का सीमा अवर्णीय होता है। प्राकृतिक सौंदर्य हमारे मन को मोह लेता है। वन्य प्राणी जब वनों में उछलते-कुदते है तो उनका दृश्य देखने लायक होता है। जब मोर वनों में विचरण करते है तो उनका विचरण करना मनुष्य के हृदय को अन्यास ही मोह लेता है।

पाठ से आगे

निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए :

1.

(क) ऊपर विस्तृत नभ नील-नील, नीचे वसुधा में नदी झील, जामुन, तमाल, इमली करील, जल से ऊपर उठता मृणाल, फुनगी पर खिलता कमल लाल।

उत्तर→ प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक पीपल कविता से ली गई है। इस पंक्ति के माध्यम से कवि गोपाल सिंह नेपाली का कहना है कि जब पेड की शाखाएं उपर की ओर बढती है। तो मानो वह नील गगन को छुना चाहती है। उसकी छाया नदी झील सरोवर को भी आनन्दीत करता है।

(ख) है खेड़े जहाँ पर शाल, बांस, चौपाये चरते नरम घास, निर्झर, सरिता के आस-पास, रह-रह मारे-शेर चकोर कर देता है रे शेर, नाचा करते है जहां मोर।

उत्तर→ प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक पीपल कविता से ली गई है। इस पंक्ति के माध्यम से कवि गोपाल सिंह नेपाली का कहना है कि वन्य चौपाया जानवरों के लिए निवास स्थल और भोजन का मुख्य स्त्रोत है। चौपाया जानवर वन में नरम-नरम घास को चर कर अपने मुख मिटाते है। रात में चकोर चकवा की तलाश में इधर से उधर मटकता रहता है। जंगल की सुन्दरता को देखकर मोर नाचने लगते है।